Characteristic features of Swiss Federal Government

स्विट्जरलैण्ड की संघीय सरकार (कार्यपालिका) विशिष्ट लक्षण युक्त अपने ढंग की एक ही कार्यपालिका पूरे विश्व में है। अतएव प्रो० स्ट्रांग ने ठीक ही कहा है कि "स्विट्जरलैण्ड की संघीय सरकार विश्व की अन्य सभी कार्यपालिकाओं से अधिक ध्यान देने योग्य है।" स्विस संघीय सरकार की जिन विशिष्ट लक्षणों ने उसे यह स्थिति प्रदान की है, उनका अध्ययन निम्न रूपों में किया जा सकता है:

(1) बहुल कार्यपालिका - सामान्यतया विश्व के देशों में कार्यपालिका का नेतृत्व एक व्यक्ति के द्वारा किया जाता है और व्यवस्थापिका का संगठन बहुलता के आधार पर। अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था में कार्यपालिका का नेतृत्व राष्ट्रपति द्वारा तथा संसदात्मक शासन व्यवस्था के अन्तर्गत प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कार्यपालिका के द्वारा प्रशासन सम्बन्धी कार्य किया जाता है। परन्तु स्विट्जरलैण्ड में एकल कार्यपालिका के स्थान पर बहुल कार्यपालिका को अपनाया गया है। संविधान के अनुच्छेद 175 के अनुसार "संघीय सरकार में 7 सदस्य होंगे" बहुल कार्यपालिका इस दृष्टि से भी है कि संघीय सरकार के सातों ही सदस्य की स्थिति समान है। स्विट्जरलैण्ड में यह बहुल कार्यपालिका सफलतापूर्वक काम कर रही है, लेकिन ऐसा स्विट्जरलैण्ड की विशेष परिस्थितियों के कारण ही है। विश्व के अन्य देशों में सफलता पूर्वक अपनाया जाना कतई सम्भव नहीं है।

2. संसदात्मक व अध्यक्षात्मक प्रणालियों का समन्वय - विश्व के देशों में मुख्यतः कार्यपालिका के दो रूप पाये जाते हैं - (i) संसदीय और (ii) अध्यक्षात्मक। प्रथम, संसदात्मक कार्यपालिका जिसका आदर्श उदाहरण ब्रिटेन और भारत है। द्वितीय, अध्यक्षात्मक कार्यपालिका जिसका आदर्श उदाहरण अमरीका है। परन्तु स्विट्जरलैण्ड की कार्यपालिका (संघीय सरकार) अनोखी है।

Scanned with CamScanner

यह संसदात्मक और अध्यक्षात्मक दोनों ही प्रकार की कार्यपालिकाओं से मूलभूत रूप से भिन्न है, परन्तु इसमें दोनों ही शासन व्यवस्थाओं के लक्षणों का मिलन है। संघीय सरकार के सदस्य संघीय संसद द्वारा चुने जाते हैं और संसदीय कार्यपालिका के समान संघीय सरकार के सदस्य व्यवस्थापिका की कार्यवाही में भाग लेते हैं; लेकिन द्विसदनात्मक की संघीय संसद का प्रथम सदन (प्रतिनिधि सभा) इस प्रकार के प्रस्ताव पारित कर संघीय सरकार को पदच्युत नहीं कर सकता, जैसा कि संसदीय व्यवस्था में किया जाता है।

3. उत्तरदायित्व और स्थायित्व का योग- संसदीय शासन का सबसे प्रमुख गुण उत्तरदायित्व है, अर्थात् वास्तविक शासन व्यवस्था का संचालन करनेवाले मन्त्री जन-प्रतिनिधियों के प्रति उत्तरदायी होते हैं। उत्तरदायित्व की इस व्यवस्था के कारण शासन कार्य जन-प्रतिनिधियों की इच्छानुसार सम्पन्न होता है और सरकार निरंकुश नहीं हो पाती। अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था का सर्वप्रमुख गुण स्थायित्व है। कार्यपालिका का एक निश्चित कार्यकाल होता है जिससे उसके द्वारा निश्चितता और कुशलता के साथ शासन कार्य किया जा सकता है। द्विसदनात्मक संघीय सरकार में उत्तरदायित्व और स्थायित्व का बड़ा उपयोगी योग है और इसे संघीय संसद और संघीय सरकार के बीच विशेष प्रकार के सम्बन्धों की व्यवस्था करके प्राप्त किया गया है। संघीय सरकार संघीय संसद के निर्देशन और नियंत्रण में कार्य करती है और इसके शासन कार्य में जन दृष्टिकोण का समावेश हो गया है। लेकिन संघीय संसद संघीय सरकार को पदच्युत नहीं कर सकती और न ही संघीय संसद में अपना प्रस्ताव अस्वीकृत होने पर संघीय सरकार त्यागपत्र देती है।

4. निर्वाचन- द्विसदनात्मक संघीय सरकार की एक महत्वपूर्ण विशेषता उसका निर्वाचन स्वरूप है। संघीय सरकार में किसी एक राजनीतिक

Scanned with CamScanner

दलों के सदस्य नहीं होते, वरन् इसमें उन सभी राजनीतिक दलों के सदस्य होते हैं, जिन्हें संघीय संसद में प्रतिनिधित्व प्राप्त हो। संघीय सरकार इस दृष्टि से भी निर्दलीय है कि सरकार के सदस्य अपने राजनीतिक दलों की सीमाओं से बंधकर कार्य नहीं करते, वरन् स्वयं अपने विवेक के अनुसार स्वतंत्रतापूर्वक विचार व्यक्त करते और कार्य करते हैं। वे दलबन्दी की सीमाओं के ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित की साधना करते हैं।

इस प्रकार स्पष्ट है कि संघीय सरकार के सदस्य यद्यपि भारत, ब्रिटेन या अमरीकी कार्यपालिका की तुलना में अपेक्षाकृत निर्दलीय हैं, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता है कि परिषद् की रचना और उसके कार्यों का राजनीतिक दलों से कोई सम्बन्ध नहीं होता।

5. विशेषज्ञों की परिषद् - ब्रिटेन और भारत की संसदीय व्यवस्था और कुछ सीमा तक अमरीका की अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था के अन्तर्गत भी मन्त्रिगण अपने विभागों के विशेषज्ञ नहीं होते। उन्हें अपना यह पद लोकप्रियता, सामान्य प्रशासनिक योग्यता, राजनीतिक दल में अपने स्थान और कार्यपालिका प्रधान की व्यक्तिगत कृपा के रूप में प्राप्त होता है। परन्तु स्विट्जरलैण्ड में संघीय सरकार के सदस्यों के पुनर्निर्वाचन पर कोई प्रतिबन्ध नहीं है। वहाँ यह भी परम्परा है कि पुनर्निर्वाचन पर साधारणतया एक व्यक्ति वही विभाग दिया जाता है, जिस विभाग के प्रधान के रूप में उसके द्वारा कार्य किया जा चुका हो। यह स्थिति सम्बन्धित सदस्यों को उनके विभागों के पूर्ण विशेषज्ञ बना देती है। लावेल ने ठीक ही लिखा है कि "स्विट्जरलैण्ड में संघीय सरकार (परिषद्) के सदस्य अपने-अपने विभागों के राजनीतिक अध्यक्ष तथा प्रमुख सचिव दोनों होते हैं।"

Scanned with CamScanner